



रसोई के हरे कचरे से खाद बनाये और अल्मोड़ा की स्वच्छता में हाथ बटायें

हमारे कंपोस्टिंग प्रोग्राम (बोकाशी) में भाग लेकर आप अपने रसोई से निकलने वाले हरे कचरे से खाद बना सकते हैं। इस तरह आप पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायता कर सकते हैं।

बोकाशी क्या है?

यह एक जापानी विधि है, जिसमें आप अलग से रखे हुए सब्जी एवं फलों के छिलके, चायपत्ती, बचा हुआ खाना, अंडे के छिलके, मांस, मछली आदि को दिन में एक बार अपने बोकाशी बिन में डालकर खाद बना सकते हैं।

बोकाशी विधि

- रसोई से निकले हुए जैविक कचरे को अलग से रखें।
- दिन में एक बार इस कचरे को बोकाशी बिन में डालें।
- उसके ऊपर दो मुट्ठी हमारे द्वारा तैयार किया गया, इनोकुलेन्ट पाउडर समान रूप से बुरक दें और उसको मजबूती से नीचे दबा दें।
- कसकर ढक्कन बंद कर दें।
- जब तक बोकाशी बिन ना भर जाए तब तक इस प्रक्रिया को रोज करते रहें।
- कुछ दिनों में बोकाशी बिन में थोड़ा पानी ईकट्ठा होने लगेगा। इसे नल खोलकर एकत्रित कर लें।
- इस पानी में 10 हिस्सा साफ पानी मिलाकर पौधों में डाल सकते हैं। यह बहुत अच्छी खाद है।
- इसे नालियों अथवा सेप्टिक टैंक में भी डाला जा सकता है।
- जब एक बोकाशी बिन भर जाए तब दूसरे बोकाशी बिन का इस्तेमाल इसी तरह करें।
- बोकाशी बिन से पानी लगातार लगाकर एकत्रित करते रहें।
- एक बोकाशी बिन भरने के एक सप्ताह बाद नीचे दिए गए नंबर पर मैसेज भेज दें।
- हमारी टीम के सदस्य इसे कंपोस्ट पिट में खाली कर देंगे।

आप स्वयं भी इस कंपोस्टिंग प्रोग्राम में प्रतिभाग करें और अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें। इस कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए हम बैनियन टुअर्स प्रा० लि० के आभारी हैं।

सम्पर्क सूत्र: **धीरेन्द्र सिंह रावत(धीरज): +91 8410340311 (WhatsApp/Signal)**